E-mail: hegtdcano@mp.gov.in ☎ 9893076404

Less-Paper Initiatives

कागज विहीन कार्यालय के दिशा में IQAC की एक पहल :- Googel Work space

शासकीय तुलसी महाविद्यालय के डोमेन से शैक्षणिक सत्र 2022-23 से गूगल वर्कस्पेस सुविधा का शुभारंभ महाविद्यालय के IQAC के द्वारा शुरू किया गया है। गूगल वर्क स्पेस के शुरू होने से महाविद्यालय के प्रशासनिक दक्षता एवं गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

वर्क स्पेस क्या है?

गूगल वर्कस्पेस से आशय गूगल द्वारा दी जाने वाले उन सेवाओं से है जिन्हे पूर्व में गूगल अलग-अलग स्थानों से हमें प्रदान करता था। पूर्व में गूगल द्वारा दी जाने वाली सेवाएं अलग-अलग स्थान पर उपलब्ध होती थीं इसलिए जो लोग बड़े संस्थाओं में कार्य करते थे उन्हें बार-बार अलग-अलग गूगल सेवाओं के लिए अलग-अलग वेबसाइट विजिट करना पड़ता था और डेटा प्रबन्धन में भी मुश्किलें आती थी। इन मुश्किलों को देखते हुए गूगल ने जीमेल खाते से संबंधित गूगल एप्प्स सुविधा शुरू किया। गूगल एप्प्स में जीमेल, ड्राइव, कैलेंडर, डॉक्स, शीट्स, क्लासरूम, स्लाइड, साइट, व्हाइट जैमबोर्ड जैसी अन्य उपयोगी सेवाओं को उपभोक्ताओं के जीमेल खाते के साथ फ्री में उपलब्ध करा दिया। फिर भी गूगल एप्प्स के साथ एक मुख्य समस्या थी उसका व्यक्तिगत गूगल खाते से सम्बंधित होना जबकि बड़े संस्थानों में व्यावसायिक स्तर पर एक साथ बहुत से लोग काम करते है तथा वे अलग-अलग किस्म से आंकड़ों का प्रबंधन करते है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए गूगल ने गूगल वर्कस्पेस की सुविधा को शुरू किया जिसे हम G-Suite के नाम से भी जानते है। वस्तुतः, G-Suite हमें गूगल एप्स के अलावा बहुत से ऐड-ऑन सेवाओं की भुगतान आधारित व्यवस्था करता है जबकि गूगल एप्प्स की सुविधा निःशुल्क है।

गूगल वर्क स्पेस के लिए पंजीकरण कैसे करें-

गूगल वर्क स्पेस के लिए संस्थान(व्यावसायिक संस्थान भी) को सर्वप्रथम अपने संस्थान के डोमेन नाम से पंजीकरण करना होता है। पंजीकरण के बाद से गूगल वर्कस्पेस आईडी संस्थान के डोमैन के साथ प्राप्त हो जाती है। आरंभ में वर्कस्पेस के द्वारा वर्कस्पेस डोमेन आईडी का ट्रायल वर्जन प्रदान किया जाता है।इसके बाद डोमेन सत्यापन के लिए गूगल संस्थान से कुछ दस्तावेजों की मांग करता है उसके बाद जैसे ही गूगल के द्वारा डोमेन का सत्यापन हो जाता है हम अपने संस्थान के लिए असीमित डोमेन आधारित गूगल खाते का निर्माण कर सकते है। यद्यपि कि, G-Suite की अधिकांश सेवाएं भुगतान आधारित है फिर भी गूगल ने 'Google Work Space for Education' सुविधा को शैक्षणिक संस्थानों के लिए मुफ्त रखा है।

गूगल वर्क स्पेस के फ़ायदे- गूगल वर्क स्पेस के अनेकों फायदे संभावित है-

विशेषकर शैक्षणिक संस्थानों में जहां कागज उपयोग रहित कार्यालय की बातें की जाती है, वर्क स्पेस के माध्यम से कॉलेज प्रशासन के सभी प्रमुख समितियों को कॉलेज डोमेन आधारित आईडी प्रदान किया जा सकता है जहां पर विभिन्न समितियों अपने कार्य को क्लाउड आधारित असीमित स्टोरेज कर सकते है और उनके कार्य तथा डेटा कॉलेज के डोमेन पर सदैव उपलब्ध रहेगा।

24

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404

आजकल विश्वभर के शैक्षणिक संस्थानों में मिश्रित अध्ययन पद्धति को स्वीकार किया जा रहा है, गूगल वर्कस्पेस फ़ॉर एजुकेशन के सेवा के अंतर्गत हम अपने विद्यार्थियों को गूगल कॉन्टैक्ट्स से जोड़कर उन्हें गूगल क्लासरूम,व्हाइट बैमबोर्ड, गूगल मीट, गूगल फार्म/क्विज आदि से शिक्षा प्रदान कर सकते है,असाइनमेंट जमा करवा सकते है और उसका स्वतः मूल्यांकन कर सकते है।

वर्क स्पेस आईडी से महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों को आईडी-पासवर्ड दिया जा सकता है जिसका प्रयोग विद्यार्थी एन-लिस्ट सुविधा के लिए भी कर सकते है।

वर्कस्पेस एडमिन कंसोल-

गूगल वर्कस्पेस आईडी के द्वारा संस्था अपने एकाउंट्स और डेटा का प्रबंधन सुरक्षित तरीके से कर पाए इसके लिए गूगल वर्कस्पेस एडमिन कंसोल की सुविधा संस्था को देता है।संस्था स्वयं से यूजर बना भी सकते है तथा डिलीट भी कर सकते है।

इस प्रकार हम देख सकते है कि गूगल वर्कस्पेस प्रशासनिक व्यवस्था को दुरुस्त करने में, कार्यालय के दस्तावेजों को दीर्घकाल तक प्रबन्धन करने में,कागजरहित कार्यालय अभियान में,मिश्रित अध्ययन पद्धति को अपनाने में तथा छात्र अधिगम का मूल्यांकन करने में वर्कस्पेस का योगदान अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

शिक्षा एवं शोध सुविधा के विकास में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा N-LIST-

शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए महाविद्यालय में शिक्षा मंत्रालय के स्वायत संस्था **सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क (इनफ्लिबनेट) केंद्र, गांधीनगर** की एन-लिस्ट परियोजना का महाविद्यालय सब्स्क्रिप्शन किया गया है। एन-लिस्ट की सुविधा के शुरू हो जाने से महाविद्यालय की अनुसंधान अवसंरचना को विकसित करने में मदद प्राप्त होगी। एनलिस्ट परियोजना के कॉलेज एडमिन डॉ. अमित भूषण द्विवेदी तथा तकनीकी सहयोग श्री शाहबाज़ खान से प्राप्त किया जा सकता है।

क्या है N-LIST -

आधुनिक समय में इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों को सूचना तकनीकी के क्षेत्र में सबसे आधुनिक एवं सबसे शक्तिशाली माध्यम के रूप में स्वीकार किया जाता है। वर्तमान समय में अकादमिक पुस्तकालय अपने पास मुद्रित संग्रह के स्थान पर संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग हेतु EIRs(Electronic Information Resources) का प्रयोग कर रहे है। इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के बढ़ते हुए उपयोग तथा पुस्तकालयों के लिए कम होती जा रहीं बजट आवंटन जैसी समस्याओं का निराकरण करने के लिए विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों के द्वारा अनेकों उपाय किये जा रहे है, उन्हीं उपायों में से एक उपाय है N-LIST(National Library and Information Services Infrastructure for Scholarly Content) परियोजना।

"नेशनल लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन सर्विसेज इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर स्कॉलरली कंटेंट (एन-लिस्ट)" शीर्षक वाली परियोजना, यूजीसी-इन्फोनेट डिजिटल लाइब्रेरी कंसोर्टियम के तहत कॉलेज के घटक के रूप में यूजीसी की एक नियमित योजना है। वर्तमान समय में एन-लिस्ट परियोजना को ई-शोध सिंधु: उच्च शिक्षा के लिए कंसोर्टिया में विलय

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404

र दिया गया है। एन-लिस्ट के तहत 6,000+ जर्नल, 1,64,300+ ई-बुक्स और एनडीएल के माध्यम से सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त कॉलेजों को प्रॉक्सी सर्वर/शिबोलेथ के माध्यम से 6,00,000 ई-बुक्स तक पहुंच प्रदान करता है।

एन-लिस्ट परियोजना के तहत उपलब्ध जरनल्स एवं ई-बुक्स की सूची-

E-Journals (Fulltext)	E-Books
American Institute of Physics [18 titles]	Cambridge Books Online [1800 titles]
Annual Reviews [33 titles]	E-brary [185000+ titles]
Economic and Political Weekly (EPW) [1 title]	EBSCoHost-Net Library [936 titles]
Indian Journals [180+ titles]	Hindustan Book Agency [65+ titles]
Institute of Physics [46 titles]	Institute of South East Asian Studies(ISEAS) Books [382+ titles]
JSTOR [2500+ titles]	Oxford Scholarship [1402+ titles]
Oxford University Press [262 titles]	Springer eBooks [2300 titles]
Royal Society of Chemistry [29 titles]	Sage Publication eBooks [1000 titles]
H. W. Wilson [3000+ titles]	Taylor Francis eBooks [1800 titles]
Cambridge University Press [224 titles] (2010-2016)	Myilibrary-McGraw Hill [1124 titles]
	South Asia Archive [through NDL]
	World e-Books Library [Now Available through NDL only]

Govt. Tulsi College Anuppur Distt. Anuppur (M.P.)